



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

12 आषाढ़ 1936 (श0)

(सं0 पटना 565) पटना, बृहस्पतिवार, 3 जुलाई 2014

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

9 जून 2014

सं0 22/नि0सि0(मोति0)—08—08/2007/704—श्री सुरेश राय, तत्कालीन सहायक अभियन्ता, ढाका नहर नवीकरण अवर प्रमण्डल, ढाका सम्प्रति प्राक्कलन पदाधिकारी, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्य प्रमण्डल सं0-1 के विरुद्ध ढाका नहर नवीकरण प्रमण्डल, ढाका अन्तर्गत वर्ष 2004-05, 2005-06 एवं 2006-07 में कराये गये गेटों की मरम्मत कार्य एवं लकड़ी के संधारित लेखा की जाँच उड़नदस्ता अंचल से कराई गई। उड़नदस्ता से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन के समीक्षोपरान्त श्री राय से स्पष्टीकरण की माँग की गई। प्राप्त स्पष्टीकरण की समीक्षा विभागीय स्तर पर की गई। जिसमें निम्नांकित आरोप प्रथम द्रष्टया प्रमाणित पाया गया:—

1. नहर के बीयर एवं गेटों की मरम्मत का स्थायी निदान न कर विभागीय शीशम की लकड़ी का प्रावधान प्रत्येक वर्ष खरीफ एवं रबी सिंचाई के पूर्व गेट की मरम्मत के प्राक्कलन में करते हुए लकड़ी की खपत किया गया जो कि विभागीय नियमों के प्रतिकूल है।

2. दिनांक 24.08.06 को हस्त पावती पर लकड़ी का हस्तान्तरण किया गया जिसे थाना द्वारा जब्त कर लिया गया, परन्तु आपके द्वारा दिनांक 24.8.06 को जब्त लकड़ी की सूचना अपने उच्चाधिकारियों को स-समय नहीं दिया गया। साथ ही जाँच दल को इससे संबंधित कोई अभिलेख भी नहीं उपलब्ध कराया गया।

उक्त प्रथम द्रष्टया प्रमाणित आरोपों के लिए विभागीय संकल्प सं0-476 दिनांक 19.4.11 द्वारा श्री सुरेश राय, तत्कालीन सहायक अभियन्ता, ढाका नहर नवीकरण अवर प्रमण्डल, ढाका के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 17 के तहत विभागीय कार्यवाही संचालित की गई।

संचालन पदाधिकारी के समक्ष अपने बयाव बयान में आरोपी पदाधिकारी आरोप सं0-1 के संबंध में वे उल्लेखित कार्य के प्रभारी अवर प्रमण्डल पदाधिकारी नहीं थे। यह कार्य अवर प्रमण्डल, गोवावारी के क्षेत्राधीन है, जिसके द्वारा नहर के बीयर एवं शीर्ष गेटों की मरम्मत किया जाता है। मेरे द्वारा न तो बीयर एवं शीर्ष गेटों की मरम्मत का कोई प्राक्कलन बनया गया और न ही संपोषण कार्य कराया गया है। उड़नदस्ता के जाँच प्रतिवेदन तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिकहरना के पर्यवेक्षण प्रतिवेदन एवं दर्ज प्राथमिकी में मेरे विरुद्ध कोई आरोप नहीं लगाया गया है।

श्री राय द्वारा आरोप सं0-2 के संबंध में अपने बयाव बयान में बताया गया कि लकड़ी जिस उपनिवेश में अवस्थित था उसके दूसरे उपनिवेश में उनका सरकारी आवास होने के कारण उन्हें लकड़ी जब्त होने की घटना की जानकारी काफी विलम्ब से प्राप्त हुआ, इसके पूर्व ही कार्यपालक अभियन्ता को थाना में लकड़ी जब्त होने की सूचना

मिल चुकी थी। जहाँ से लकड़ी का उठाव हुआ उसी के आसपास कार्यपालक अभियन्ता एवं कनीय अभियन्ता का आवास है।

कार्यपालक अभियन्ता के पत्रांक शून्य दिनांक 17.7.06 के अनुपालन के आलोक में श्री राय अपने पत्रांक 217 दिनांक 6.9.09 से लकड़ी से संबंधित विस्तृत जानकारी कार्यपालक अभियन्ता को दिया गया के अनुसार श्री चन्द्रभूषण कुमार, कनीय अभियन्ता के द्वारा लकड़ी का लेखा उपलब्ध नहीं कराने के फलस्वरूप लकड़ी का भौतिक सत्यापन नहीं हो सका।

संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जॉच प्रतिवेदन में उनके मंतव्य में आरोप सं0-1 के संबंध में कहा गया कि नीति निर्णय लेने में श्री राय का कोई संबंध नहीं है। अतः इस आरोप के परिपेक्ष्य में कोई जबाबदेही नहीं बनता है। आरोप सं0-2 के मंतव्य में कहा गया कि उड़नदस्ता जॉच प्रतिवेदन कंडिका 3.0.1 में वर्णित तथ्य कि भंडार प्रभारी कनीय अभियन्ता श्री चन्द्रभूषण कुमार द्वारा लकड़ी का विस्तृत विवरणी एवं लेखा समर्पित नहीं किया गया के तथ्य के आलोक में जब्त लकड़ी के श्रोत पर अनभिज्ञता प्रकट की गई है। यह विन्दु मान्य नहीं है। इनके स्तर से उच्चाधिकारियों को लिखित रूप से संसूचित करना श्रेयस्कर होता। इस हद तक दायित्व निर्वहन अपेक्षित था। उड़नदस्ता जॉच दल के निष्कर्ष कंडिका 4.0.1 में अभिलेख उपलब्ध नहीं कराने का कोई प्रतिकूल टिप्पणी दर्ज नहीं है। अतः अभिलेख उपस्थापित करने का मामला नहीं बनता है। संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जॉच प्रतिवेदन की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गई। समीक्षोपरान्त संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से सहमत होते हुए आरोप सं0-1 को अप्रमाणित पाया गया जबकि आरोप सं0-2 जो दिनांक 24.8.06 को थाना में लकड़ी गस्ती की सूचना स समय उच्चाधिकारियों को नहीं देने के आरोप को प्रमाणित मानते हुए उक्त प्रमाणित आरोपों के लिए श्री राय के विरुद्ध निम्न दण्ड देने का निर्णय लिया गया:—

1. असंचयात्मक प्रभाव से तीन वेतनवृद्धि पर रोक।

उक्त दण्ड श्री राय, तत्कालीन सहायक अभियन्ता, ढाका नहर नवीकरण अवर प्रमण्डल, ढाका सम्प्रति प्राक्कलन पदाधिकारी, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्य प्रमण्डल सं0-1, जल संसाधन विभाग, दरभंगा को संसूचित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
गजानन मिश्र,
विशेष कार्य पदाधिकारी।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 565-571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>